रावण के अपडेट हुए बहुरूपों से सावधान !

1. साइंस के साधनों के उपयोग में कहीं साधना लोप तो नहीं हो रही है?

2. मोबाइल के अनावश्यक उपयोग से अमूल्य समय बर्बाद तो नहीं हो रहा है?

3. साधनों की आकर्षण से साधना के सुख से दूर तो नहीं हो रहे हैं?

4. परमात्म प्यार के अतिन्द्रिय सुख की अनुभूति से वंचित तो नहीं हो रहे हैं।

5. आधुनिक संसाधन हमारी आत्मिक ऊर्जा को नष्ट तो नहीं कर रहे हैं?

6. इंटरनेट, फेसबुक के उपयोग से हम अपने भविष्य से खिलवाड़ तो नहीं कर रहे हैं?

7. आनंददायी परमात्म मिलन के शेष बचे थोड़े से समय से अनभिज्ञ तो नहीं हैं?

8. परमात्म वायदों को भूल रावण के कायदे तो नहीं निभा रहे हो?

9. परमात्म पढ़ाई को नजरअंदाज कर अपनी तकदीर पर लकीर तो नहीं लगा रहे हो?

10. योग को प्राथमिकता न देकर विनाशी साधनों का भोग भोगने में तो व्यस्त नहीं हो?

11. बिना वजह के व्हाटसाप के जरिए नए संबंधों में वृद्धि तो नहीं कर रहे हो?

12. प्रभू प्यार में लीन होने के बजाय दु:खदायी विनाशी संबंधों का रस लेने में मशगूल तो नहीं हो?

13. साधना के नए प्लान बनाने के बदले साधनों को एकत्रित करने के प्लान तो नहीं बना रहे हो?

14. परमात्म नजरों में समाए रहने के अतिरिक्त किसी को अपनी नजरों में तो नहीं समा रहे हो?

15. मनमनाभव रहने के बजाय मन को माया की उलझनों में तो नहीं उलझा रहे हो?

16. परमात्मा से प्राप्त शक्तियों का कहीं और दुरुपयोग तो नहीं कर रहे हो?